|  |
| --- |
| 06. Januar 2025 |
| **Hochfest der Erscheinung des Herrn** |
| Erste Lesung: Jes 60, 1-6; Zweite Lesung: Eph 3,2-3a.5-6; Evangelium.: Mt 2,1-12 |
|  |  |  |
| Eröffnung: | GL 740, 1+2+5 | Es führt drei König |
|  |  |  |
| Kyrie: | GL 159  | Licht, dass uns erschien |
|  |  |  |
| Gloria: | GL 262, 1-3 | Seht ihr unsern Stern dort stehen |
|  | GL 241, 1 | Menschen, die ihr wart verloren |
|  |  |  |
| Antwortgesang: | Ps 72, 1-2.7-8.10-13 |  |
|  | Kehrvers:  |  |
|  | GL 260 | Werde licht, Jerusalem |
|  | oder |  |
|  | GL 635, 4 | Heute erstrahlt ein Licht über uns |
|  | oder Lied: |  |
|  | GL 219 | Mache dich auf (Kanon) |
|  | oder |  |
|  | GL 736, 2+3 | Freue dich, Jerusalem |
|  |  |
| Halleluja-Ruf: | GL 244 |  |
|  | Vers: |  |
|  | *Wir haben seinen Stern gesehen* |
|  | *und sind gekommen, dem Herrn zu huldigen.* |
|  |  |  |
| Credo: | GL 586, 2 | Das große Glaubensbekenntnis |
|  | GL 737, 1-3 | Du Weltenheiland |
|  |  |  |
| Gabenbereitung: | GL 240, 1-4 | Hört, es singt und klingt |
|  |  |  |
| Sanctus: | GL 199 | Heilig |
|  |  |  |
| Agnus Dei: | GL 241, 3 | Der Abglanz des Vaters |
|  |  |  |
| Danksagung:  | GL 261, 1-4 | Stern über Bethlehem |
|  | GL 259 | Gottes Stern, leuchte uns |
|  |  |  |
| Schluss: | GL 238, 1-3 | O du fröhliche |